an>

Title: Need to take steps to enhance the production of cotton and provide BT cotton seeds to the farmers at cheaper rates.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। बीटी काटन बीज के मामले में अंतर्राष्ट्रीय कंपनी मोनसेंटों होल्डिंग प्रा.लि. ने भारतीय कंपनी महाराष्ट्र हाइब्रीड सीड कंपनी (महिको) से टाई अप करके महिको मोनसेंटो बायोटेक लिमिटेड कंपनी स्थापित करके उनके द्वारा संशोधित बॉलगार्ड प्रोद्योगिक का प्रयोग करके बीटी काटन बीज भारत में बेचने का हक लिया है। इसी वजह से देश में अलग-अलग दाम पर बीटी कॉटन बीज बेचा जाता है। बीज मूल्य वृद्धि पर कपास उत्पादक किसान उत्पादन से हटता है, जिससे घरेलू संशोधित बॉलगार्ड प्रणित बीटी कॉटन बीज उत्पादित कंपनियों पर गहरा असर पड़ता है। यह बात ध्यान में रखकर कपास उत्पादक किसानों को निष्पक्ष उचित और सस्ते दामों पर बीटी काटन बीज उपलब्ध हो, इसलिए नौ सदस्यीय समिति गठित करके 31 मार्च से पहले रिपोर्ट देने की पेशकश है।

एमएमबीएल कंपनी ने इस पर विरोध दर्शाया है। परिणामतः देश में कपास का उत्पादन घटने के साथ-साथ राजस्व की भी हानि हो सकती है। मैं सरकार से आग्रह करता हँ कि संशोधित बालगार्ड प्रोजेक्ट सहित बीटी कॉटन बीज उचित दाम पर समय पर उपलब्ध हो, देश में कपास के उत्पादन पर बढ़ोत्तरी हो, इसलिए उचित निर्णय तुरंत करने की आवश्यकता है। उसके साथ-साथ कॉटन के ऊपर पिंकविंटो नाम का बीमारी रोग हुआ है। जो जीन के लिए रॅायल्टी देते हैं, यह रॅायल्टी देने का क्या कारण है। आज इन्हें 163 प्लस सर्विस टैक्स दिया जाता है और अभी कृषि मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में इन्हें उन पचास प्लस सर्विस टैक्स देने की बात कही है। मेरी राय में उन्हें सिर्फ बीस रूपया देना चाहिए। सर्विस टैक्स देने की आवश्यकता नहीं है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह सीड बाधित होने के कारण पूरी पैदावार नहीं हुई, इसलिए पूरे माहाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। मेरा आग्रह है कि मोनसेंटो महिको कंपनियों को किसान के नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। ऐसी मेरी मांग है।

माननीय अध्यक्ष : श्री रामचरण बोहरा, श्री पी.पी. चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी एवं कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।